Jai Kaali | By Hemant Brijwasi

जय काली जय काली काली जय काली
जय काली जय काली काली जय काली

रण में आई देखो काली
खून से भरने खप्पर खाली
दुष्टों को तू मारने वाली जय काली काली

अष्ट भुजाओ वाला लेहंगा पहन के मैया आई है
काट के दुष्टों का सिर मैया ने माला बनाई है
चंडी रूप की बात निराली
सजती है मेरी मैया काली
दुष्टों को तू मारने वाली जय काली काली

देख के रूप विराट माँ तेरा कई देवता भी हारे
तेरे आगे विनती करते हाथ जोड़ते हैं सारे
आखिर में शिव शंकर जी ने किया है शांत तुझे माँ काली
दुष्टों को तू मारने वाली जय काली काली

जैसे भैरो बाबा की मुक्ति की तूने अम्बे माँ
महिषासुर को सबक सीखने वाली तू जगदम्बे माँ
ऐसे ही आशीष बागड़ी चरणों में तेरे आया माँ
हेमंत ब्रजवासी ने मैया तेरा ही गुण गाय माँ '
ऐसे ही आशीष बागड़ी चरणों में तेरे आया माँ
खुशियां सबको देने वाली जय काली काली

https://bhaktivandana.com/lyrics/jai-kaali-by-hemant-brijwasi/